असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तीसरे दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का सम्बोधन

दिनांक 30 अक्टूबर 2023, रविवार	**समय : 2.25 PM**	**स्थान : रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी**

- दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़जी व सम्माननीय श्रीमती सुदेश धनखड़ जी,
- असम के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. हिमन्त बिश्व शर्मा डांगरिया,
- असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू डांगरिया,
- विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ए. के. पंसारी जी
- विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति श्री ए. के. मोदी जी
- विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. एस.पी. सिंह जी
- मुख्य सलाहकार, प्रोफेसर (डॉ.) मिहिर कांति चौधरी जी
- मानद उपाधि प्राप्तकर्ता : डॉ. रघुनाथ ए. माशेलकर जी, उस्ताद अमजद अली खान जी, श्री हर्षवर्धन नेवतिया जी व रतन थियाम जी
- विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट व अकादमिक परिषद के सदस्यगण
- विश्वविद्यालय के कुलसचिव
- आमंत्रित अतिथिगण

- विभिन्न विभागों के संकाय अध्यक्ष व सदस्यगण तथा विश्वविद्यालय के अधिकारीगण
- मेरे प्रिय विद्यार्थियों
- देवियों और सज्जनों

आप सभी को मेरा नमस्कार,

शिक्षा के इस मंदिर में आज हमारे बीच उपस्थित आदरणीय उप-राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी का, मैं हृदय से अभिनन्दन और स्वागत करता हूँ। असम सहित पूरे पूर्वोत्तर के प्रति, जो आपकी आत्मीयता और अपनत्व है, वह नित्य वंदनीय है।

मुझे यह कहते हुए विशेष हर्ष हो रहा है कि उपराष्ट्रपति जी एक श्रेष्ठ सांसद, केन्द्रीय राज्य मंत्री और सजग विधायक, संसदीय एवं संवैधानिक विषयों के विशेषज्ञ, विद्वान विधिवेत्ता, प्रखर अधिवक्ता और एक राज्यपाल के रूप में सदैव सक्रिय रहे हैं। सौभाग्य की बात है कि दसवीं राजस्थान विधान सभा में हम दोनों ने विधायक के रूप में एक साथ काम किया।

असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तीसरे दीक्षांत समारोह में आप सबके बीच आकर मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। आज का दिन इस यूनिवर्सिटी के लिए विशेष महत्व का दिन है। यह दीक्षांत समारोह यहां के विद्यार्थियों द्वारा संस्थान में सफलतापूर्वक शिक्षा पूरी करके अपनी उपलब्धियों पर खुशी मनाने का अवसर है।

प्रिय विद्यार्थियों,

शिक्षण का एक चरण पूरा करने के बाद अब आपके लिए असीमित चुनौतियां और अवसर आपका इंतजार कर रहे हैं। दृढ़ संकल्प के साथ इन चुनौतियों का सामना करें और अपने भावी कॅरियर के साथ-साथ समाज में सार्थक योगदान देने की दिशा में भी कार्य करें।

यह आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है, यहां आपके द्वारा लिये गये निर्णय आपके भविष्य पर गहरा प्रभाव डालेंगे। आपके सुखद, संतोषप्रद और उत्कृष्ट कैरियर के लिये बधाई और शुभकामनाएं।

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी एक ऐसा शैक्षणिक संस्थान है, जो अपनी स्थापना के साथ ही उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिये प्रतिबद्ध है।

यूनिवर्सिटी ने उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ अध्ययन के सभी क्षेत्रों में शैक्षणिक मानक स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। व्यापक सांस्कृतिक एवं भाषायी विविधता वाले इस क्षेत्र में रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने समृद्ध पारम्परिक ज्ञान और कौशल को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्र के संसाधनों के उपयोग और संरक्षण में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आज यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में सभी स्नातकों, अधिस्नातकों व शोधकर्ताओं की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित किया जा रहा है। आइए, इस अवसर पर हम उन शिक्षकों और अभिभावकों का भी अभिनन्दन करना चाहूंगा, जिनके मार्गदर्शन और समर्थन के कारण ही आज योग्यता के इस शिखर पर पहुंचे हैं।

देश के विकास और उज्जवल भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए हम अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने, मानवीय मूल्यों को मजबूत करने तथा मनुष्यों के बीच करुणा को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित करें। यूनिवर्सिटी के विजन स्टेटमेन्ट के

अनुरूप, ये लक्ष्य उन सभी के लिये प्रेरणापुंज का काम करेंगे जो दुनिया में सकारात्मक सोच के साथ जीवन को सार्थक बनाना चाहते हैं।

भारत की स्वतंत्रता के 77वें वर्ष में हमें उन मुद्दों पर गहराई से विचार करना होगा, जो राष्ट्र को उन्नत बनाने और हमें हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिये जरूरी हैं। इसके लिए हमें अपनी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करना होगा।

आज हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, ऐसे समय में प्रत्येक नागरिक को देश की प्रगति के लिए समर्पित भाव से काम करने का संकल्प लेना होगा। इस यूनिवर्सिटी ने आत्मनिर्भर भारत की भावना से प्रेरित आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किये हैं।

मुझे बताया गया है कि यूनिवर्सिटी ने हाल ही में एक अखिल असम वनस्पति प्रश्नोत्तरी और वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर सराहनीय कार्य किया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों पर केन्द्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भावी पीढ़ी को नये डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने की दिशा में एक कारगर कदम है।

प्रसन्नता की बात है कि शिक्षा नीति को अध्ययन के सभी स्तरों तक 21वीं सदी के शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह शिक्षा नीति निरंतर सीखने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिन पांच प्रमुख स्तंभों पर जोर देती है वे हैं- सामर्थ्य, पहुँच, गुणवत्ता, समानता और जवाबदेही।

शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और आजीवन सीखने के अवसर सुलभ कराना है, जिससे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 2030 में सूचीबद्ध सार्वभौमिक रोजगार, उत्पादक रोजगार और सम्मानजनक श्रम के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

मेरा मानना है कि समाज और अर्थव्यवस्था में ज्ञान की मांग के लिए नियमित आधार पर नये कौशल के अधिग्रहण की आवश्यकता होती है। इसलिए सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान देना आवश्यक और अपरिहार्य है।

असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने चार साल के स्नातक कार्यक्रम की शुरुआत करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यूनिवर्सिटी के भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईएस) पर आधारित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर अन्तःविषय अनुसंधान की ओर फिर से उन्मुख होना है।

मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है और ऐसे उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों के समूह का हिस्सा बन गई है, जो शिक्षा, परंपरा और नवाचार को महत्व देते हैं।

आज असम की आवश्यकता है कि इसके युवा शिक्षित हों, प्रशिक्षित हों, उद्यमशील हों तथा अत्यधिक कुशल एवं आत्मप्रेरित हों। इस संबंध में राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी एक बहु-विषयक संस्थान होने के नाते, इस कार्य को बेहतर तरीके से करने के लिए सभी आवश्यक साधन-सुविधाओं से सुसज्जित है।

मेरा यह भी मानना है कि विश्वविद्यालयों को न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करना चाहिए, बल्कि राज्य की समृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए ऐसे पाठ्यक्रम तैयार करने चाहिए, जो छात्रों में उद्यमिता का विकास करे। उन्हें नौकरी करने वाला नहीं, वरन् नौकरी देने वाला बनाएं।

देवियों और सज्जनों,

हमें विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति भी गहरी रुचि और जागरूकता पैदा करनी चाहिए। शिक्षा के हर स्तर पर हमें प्रकृति का सम्मान करने, उससे सीखने और जुड़ने का पाठ

शामिल करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में हरित परिसर बनाने तथा कागज रहित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग एक सराहनीय कदम है।

अच्छी बात यह है कि असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी पहले से ही इस दिशा में सक्रिय रही है, जिसने डिजिटल इंडिया मिशन को देखते हुए अपने यहां ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा फॉर्म भरने और शुल्क जमा कराने जैसी कई डिजिटल सेवाएं शुरू की हैं। मुझे यह बताते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि इस यूनिवर्सिटी ने डिजिटल बुनियादी ढांचे की दिशा में मजबूत बदलाव के रूप में लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) और एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) को लागू किया है।

अंग्रेजी अभी भी एक महत्वपूर्ण भाषा बनी हुई है, परंतु आज यह जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं का ज्यादा उपयोग करे, उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए भी काम करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति मातृभाषाओं, क्षेत्रीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं के महत्व को पहचानती है। इस विश्वविद्यालय को भी स्थानीय भाषाओं और बोलियों को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष प्रयास करने चाहिए।

प्रिय विद्यार्थियों,

आज इस परिसर में मुझे एक छोटे से बीज की अविश्वसनीय शक्ति का स्मरण हो रहा है, जैसे एक बीज अपने अंकुरण की विनम्र शुरुआत से एक विशाल वृक्ष बनकर उभर सकता है, जो हजारों जीवित प्राणियों को आश्रय प्रदान करता है।

उसी तरह, असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी हमारे राज्य और उसके बाहर के युवाओं को शैक्षिक दृष्टि से योग्य, सक्षम और सशक्त बनाने के लिए बीज से वृक्ष बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के दृढ़ संकल्प के साथ यह यूनिवर्सिटी ज्ञान और विकास के सभी अभिलाषी लोगों के लिए आशा और प्रेरणा की किरण बनने का प्रयास कर रही है।

अंत में, मैं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। आपने यहां जो कौशल और ज्ञान अर्जित किया है, वह आपके जीवन में निरंतर काम आएगा। आप अपने ज्ञान के सदुपयोग के लिए प्रयासरत रहें, अपने समाज की सेवा करें और दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव डालें।

स्वामी विवेकानन्द ने एक बार कहा था, “शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने के बारे में नहीं है, यह चरित्र निर्माण और उन विचारों को आत्मसात करने के बारे में भी हैं जो आपके जीवन और आपके आसपास के लोगों के जीवन को बदल सके।" मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी अपने जीवन के अगले चरण की शुरुआत करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखेंगे।

आप सभी को पुनः बधाई और शुभकामनाएं।

धन्यवाद !

जय हिन्द !

जय आई असम !